jewan yatra1:arunjaity.qxd 9/26/2010 10:25 PM Page 38

नानाजी को उसका कुलाधिपति बनाया। किन्तु दलीय राजनीति उसे सहन नहीं कर पायी। चित्रकूट में नानाजी ने आरोग्यधाम, उद्यमिता विद्यापीठ, गोशाला, वनवासी छात्रावास, गुरुकुल, सुरेंद्रपाल ग्रामोदय विद्यालय जैसी प्रकल्पों की बड़ी श्रृंखला खड़ी कर दी। आर्थिक शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य-रक्षा के इन प्रयोगों के बीच नानाजी की कल्पना का अनूठा चमत्कार है, 'राम दर्शन' नामक स्थायी प्रदर्शनी, जिसमें जाकर प्रत्येक दर्शनार्थी राम के अवतारी रूप के पीछे उनके लोक कल्याणकारी मर्यादा संस्थापक जीवन की प्रेरणा लेकर आता है। मंदाकिनी नदी के तट पर रामनाथ गोचनका घाट का निर्माण किया। आर्थिक स्वावलंबन, शिक्षा स्वास्थ्य की चिंता के साथ-साथ नानाजी ने व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास को भी उतना ही महत्त्व दिया। उन्होंने भक्ति को लोक कल्याण का माध्यम बनाया। चित्रकूट की रामदर्शन प्रदर्शनी और जयप्रभा ग्राम गोंडा में 'भक्तिधाम' की रचना इसके उदाहरण हैं। चित्रकूट जिले में उन्होंने गांवों को मुकदमेबाजी से मुक्त कराने की एक अभिनव योजना आरंभ की। इस योजना के अंतर्गत पीढ़ी-दर-पीढ़ी मुकदमेबाजी में फंसे परिवारों को समझा बुझाकर आपस में इकट्ठे बैठकर अपने विवाद का हल न्यायालय से बाहर निकालने और मुकदमा वापस लेने की प्रेरणा देने का प्रयास किया।

योजना आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह व के.आर. नारायणन के साथ

उ.प्र. के तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के साथ

नानाजी के जन्मदिवस पर उन्हें खीर खिलाती म.प्र. की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती

अब तक लगभग 80 गांवों को विवादमुक्त क्षेणी में लाने में सफलता मिली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वकीलों के एक दल ने स्वयं आकर इस अविश्वसनीय चमत्कार का दर्शन और अध्ययन किया। उन्होंने उसकी सफलता की साक्षी को लिखित रूप मे प्रसारित किया। नानाजी ने गोंडा, बीड और चित्रकूट में भारत सरकार के चार कृषि विज्ञान केन्द्रों के संचालन का बीड़ा उठाया। इनमें से दो कृषि विज्ञान केन्द्रों को भारत सरकार ने सर्वोत्तम घोषित किया है। इन सभी प्रकल्पों को चलाने के लिए 'समाज शिल्पी दम्पत्ति' की अभिनव योजना प्रस्तुत की। इस योजना के अन्तर्गत समाजसेवा की भावना से अनुप्राणित